खण्ड A

SECTION A

Q1. निम्नलिखित में से प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 150 शब्दों में दीजिए :

Answer the following questions in about 150 words each : *10×5=50*

(a) प्लेटो तथा अरस्तू की आकार की अवधारणाओं के बीच विभेद कीजिए।

Differentiate between Plato's and Aristotle's conceptions of form. *10*

(b) प्रागनुभविक निर्णयों के संदर्भ में ह्यूम के संशयवाद का कांट क्या प्रत्युत्तर देते हैं ? विवेचना कीजिए।

How does Kant respond to Hume's scepticism with regard to a priori judgments ? Discuss. *10*

(c) मूर द्वारा यह सिद्ध करने के लिए क्या युक्तियाँ प्रस्तुत की गई हैं कि कुछ ऐसे सामान्य सत्य होते हैं, जिनका ज्ञान, सामान्य बुद्धि का विषय होता है ? समालोचनात्मक विवेचना कीजिए।

What arguments are offered by Moore to prove that there are certain truisms, knowledge of which is a matter of common sense ? Critically discuss. *10*

(d) उत्तरवर्ती विट्गेंस्टाइन ऐसा क्यों सोचते हैं कि ऐसी कोई भाषा जिसे एक ही व्यक्ति बोलता हो, ऐसी भाषा जो सार रूप से निजी हो, संभव नहीं है ? विवेचना कीजिए।

Why does later Wittgenstein think that there cannot be a language that only one person can speak — a language that is essentially private ? Discuss. *10*

(e) कीर्केगार्द सत्य को विषयनिष्ठता के रूप में किस प्रकार परिभाषित करते हैं ? समालोचनात्मक विवेचना कीजिए।

How does Kierkegaard define truth in terms of subjectivity ? Critically discuss. *10*

Q2. (a) क्या लॉक की प्राथमिक गुणों की अवधारणा का खंडन बर्कले के प्रत्ययवाद की ओर झुकाव में सहायक है ? इस संदर्भ में, यह विवेचना भी कीजिए कि किस प्रकार बर्कले का विषयनिष्ठ प्रत्ययवाद हेगेल के निरपेक्ष प्रत्ययवाद से भिन्न है।

Is rejection of Locke's notion of primary qualities instrumental in Berkeley's leaning towards idealism ? In this context, also discuss how Berkeley's subjective idealism is different from the absolute idealism proposed by Hegel. *20*

Scanned with CamScanner

(b) अपने कथन – "जो कुछ भी है, ईश्वर में है" से स्पिनोज़ा किस प्रकार यह स्थापित करते हैं कि केवल ईश्वर ही निरपेक्ष रूप से यथार्थ है ? समालोचनात्मक विवेचना कीजिए।

How does Spinoza establish that God alone is absolutely real with his statement – "Whatever is, is in God" ? Critically discuss. *15*

(c) ईश्वर की सत्ता के लिए सत्तामूलक युक्ति के विरुद्ध कांट के आक्षेपों का समालोचनात्मक परीक्षण कीजिए।

Critically examine Kant's objections against the ontological argument for the existence of God. *15*

Q3. (a) रसेल की अपूर्ण प्रतीकों की अवधारणा की व्याख्या कीजिए। यह भी समझाइए कि किस प्रकार यह अवधारणा तार्किक परमाणुवाद के सिद्धान्त की ओर ले जाती है।

Explain Russell's notion of incomplete symbols. Also explain how this notion leads to the doctrine of logical atomism. *20*

(b) तार्किक प्रत्यक्षवादियों/भाववादियों के अनुसार क्या वाक्य "सभी वस्तुएँ या तो लाल होती हैं अथवा लाल नहीं होती हैं" उसी प्रकार से अर्थपूर्ण है जिस प्रकार से वाक्य "यह पृष्ठ श्वेत है" अर्थपूर्ण है ? युक्तियों सहित विवेचना कीजिए।

Is the sentence "All objects are either red or not red" meaningful in the same way as "This page is white" is, according to the logical positivists ? Discuss with arguments. *15*

(c) बुद्धिवादियों में किसकी मानस-देह समस्या की व्याख्या मानव स्वातंत्र्य तथा संकल्प स्वातंत्र्य से सुसंगत है ? समालोचनात्मक विवेचना कीजिए।

Among the rationalists, whose account of mind-body problem is compatible with the notion of human freedom and free will ? Critically discuss. *15*

Q4. (a) "अस्तित्व सार का पूर्वगामी है" इस आदर्श-वाक्य से अस्तित्ववादी विचारकों का क्या अर्थ है ? उनके अनुसार मानव सत्ता किस प्रकार मानव स्वातंत्र्य से संबंधित है ? विवेचना कीजिए।

What do the existentialist thinkers mean by the slogan "existence precedes essence" ? How is human existence related to human freedom according to them ? Discuss. *10+10*

Scanned with CamScanner

(b) हुसर्ल ऐसा क्यों सोचते हैं कि सार-तत्व, चेतना तथा सत् के बीच एक प्रकार की निरंतरता को प्रदर्शित करते हैं ? विवेचना कीजिए ।

Why does Husserl think that essences exhibit a kind of continuity between consciousness and being ? Discuss. *15*

(c) उन दो मताग्रहों के स्वरूप की व्याख्या कीजिए जिनको क्वाइन अपने लेख 'टू डॉगमास ऑफ एम्पिरिसिस्म' में संदर्भित करते हैं ।

Explain the nature of the two dogmas that Quine refers to in his paper 'Two Dogmas of Empiricism'. *15*

Scanned with CamScanner

खण्ड B

SECTION B

Q5. निम्नलिखित में से प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 150 शब्दों में दीजिए : 10×5=50

Answer the following questions in about 150 words each :

(a) क्या आप सोचते हैं कि चार्वाक दर्शन का स्वरूप प्रत्यक्षवादी/भाववादी है ? अपने उत्तर के पक्ष में तर्क एवं प्रमाण प्रस्तुत कीजिए ।

Do you think Cārvāka's philosophy is positivistic in nature ? Give reasons and justifications for your answer. 10

(b) स्व की सत्ता सिद्ध करने के लिए नैयायिकों द्वारा प्रदत्त छः तर्कों की व्याख्या कीजिए ।

Explain the six reasons offered by the Naiyāyikas to prove the existence of the self. 10

(c) वैशेषिकों के अनुसार, यह दो वाक्य "वायु में ऊष्मा नहीं होती" तथा "वायु अग्नि नहीं है" क्या समान प्रकार के अभाव को संदर्भित करते हैं ? विवेचना कीजिए ।

Do these two sentences "Air does not have heat" and "Air is not fire" refer to the same type of absence or abhāva, according to the Vaiśeṣikas ? Discuss. 10

(d) शब्दार्थ तथा वाक्यार्थ के स्वरूप के विषय में भट्ट मत, प्रभाकर के मत से किस प्रकार भिन्न है ? समालोचनात्मक विवेचना कीजिए ।

How does Bhāṭṭa's view of nature of word-meaning and sentential-meaning differ from Prābhākara's view ? Critically discuss. 10

(e) "विशिष्टाद्वैत दर्शन में, ईश्वर तथा जगत के बीच संबंध, व्यष्टिक आत्मा तथा उसके शरीर के समानांतर है ।" समालोचनात्मक विवेचना कीजिए ।

"In Viśiṣṭādvaita philosophy, the relationship between God and the world is parallel to that between an individual self and its body." Critically discuss. 10

Scanned with CamScanner

Q6. (a) चार्वाकों द्वारा स्व का अतींद्रिय कोटि के रूप में खंडन तथा बौद्धों द्वारा आत्मा के खंडन के बीच विभेद कीजिए।

Differentiate between the Cārvākas' refutation of self as a transcendental category and the Buddhist rejection of ātmā. *20*

(b) प्रतीत्यसमुत्पाद के समान मत से ही बौद्ध दर्शन के दो सम्प्रदाय विपरीत निष्कर्षों जैसे कि "सभी वस्तुएँ शून्य हैं" तथा "सभी वस्तुएँ यथार्थ हैं" तक किस प्रकार पहुँचते हैं ? युक्तियों सहित उत्तर दीजिए।

How do the two schools of Buddhism arrive at two opposed conclusions, namely "everything is void" and "everything is real" from the same doctrine of *Pratītyasamutpāda* ? Answer with arguments. *15*

(c) जैनों के अनुसार *भावबन्ध* तथा *द्रव्यबन्ध* में क्या अंतर है ? विवेचना कीजिए।

What is the distinction between *Bhāvabandha* and *Dravyabandha*, according to the Jainas ? Discuss. *15*

Q7. (a) सांख्यकारिका में प्रतिपादित प्रकृति के विकासक्रम संबंधित मत को प्रस्तुत कीजिए। इस संदर्भ में, बुद्धि, महत तथा अहंकार के बीच भेद की भी व्याख्या कीजिए।

Present an account of evolution of Prakṛti as propounded in Sāṃkhyakārikā. In this context, also explain the difference between buddhi, mahat and ahaṃkāra. *10+10*

(b) "जब तक चित्त में परिवर्तन तथा रूपांतरण होते रहेंगे, उनमें स्व/आत्म का प्रतिबिंबन होगा, जो विवेक की अनुपस्थिति में स्वयं को उनसे आत्मसात करेगा।" उपर्युक्त कथन के आलोक में योगदर्शन के मोक्षशास्त्र की समीक्षा प्रस्तुत कीजिए।

"So long as there are changes and modifications in citta, the self is reflected therein, and, in the absence of discriminative knowledge, identifies itself with them." Present an appraisal of Yoga Soteriology in the light of the above statement. *15*

(c) "हमारा योग चढ़ाव तथा उतराव का दो तरफा गमनागमन है।"
उपर्युक्त कथन की श्री ऑरबिंदो की पूर्ण (इन्टिग्रल) योग की अवधारणा के संदर्भ में विवेचना कीजिए।

"Our Yoga is a double movement of ascent and descent."
Discuss the above statement in the context of Sri Aurobindo's conception of Integral Yoga. *15*

Scanned with CamScanner

Q8. (a) मुझे यह ज्ञान कैसे होता है कि मैं जानता हूँ ? नैयायिकों, भट्ट मीमांसकों तथा प्रभाकरों के संदर्भ में इस प्रश्न का उत्तर दीजिए।

How do I know that I know ? Answer this question with reference to the Naiyāyikas, the Bhāṭṭa Mīmāṃsākas and the Prābhākaras. 20

(b) "एक अभ्यर्थी जिसे दिन के समय में कभी अध्ययन करते हुए नहीं देखा गया है, एक प्रतियोगी परीक्षा में उच्च स्थान प्राप्त कर लेता है।" भट्ट मीमांसक तथा नैयायिक इस अभ्यर्थी की सफलता की किस प्रकार व्याख्या करेंगे ? विवेचना कीजिए।

"A candidate who is never seen to be studying during the day time secures a high position in a competitive exam." How would the Bhāṭṭa Mīmāmsākas and the Naiyāyikas explain the success of this candidate ? Discuss. 15

(c) किन आधारों पर प्रभाकर तथा नैयायिक, स्मृति को प्रमाण के रूप में अस्वीकार करते हैं ? विवेचना कीजिए।

On what grounds do the Prābhākaras and the Naiyāyikas reject memory as a source of knowledge ? Discuss. 15

Scanned with CamScanner